महाराष्ट्र की चीनी मिलों में दिवाली से पहले पेराई नहीं होगी

जयश्री भोसले । पुणे ।

दक्षिणी महाराष्ट्र की शुगर मिलें शायद दिवाली से पहले कामकाज शुरू ना कर पाएं। हालांकि, शुगर इंडस्ट्री और सरकार फेस्टिव सीजन के दौरान चीनी की कमी को दूर करने के लिए पेराई का काम एक महीना बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं।

इस रीजन के सांगली, सतारा और कोल्हापुर में मौजूद शुगर मिलों की महाराष्ट्र में चीनी के प्रॉडक्शन में बड़ी हिस्सेदारी है। महाराष्ट्र देश में चीनी का अहम उत्पादक राज्य है। कोल्हापुर की एक कोऑपरेटिव मिल के एक एग्जिक्यूटिव ने नाम जाहिर नहीं किए जाने की शर्त पर बताया, 'हमारे रीजन में दशहरा (इस बार 30 सितंबर को है) के आसपास जोरदार बारिश होती है। इससे गीले खेत में कटाई मुश्किल हो जाती है। कटाई करने वाले प्रवासी मजदूर दिवाली से पहले गांव से आते है। लिहाजा, कोल्हापुर की मिलों में दिवाली (अक्टूबर 19) के बाद ही पेराई शुरू हो सकेगी।'

फूड मिनिस्टर रामविलास पासवान ने शनिवार को बताया कि देश में चीनी का पर्याप्त स्टॉक है, लिहाजा सरकार इसका आयात नहीं करने जा रही है। हालांकि, इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) ने सरकार को जल्द पेराई शुरू का आश्वासन दिया है, ताकि कीमतों में और बढ़ोतरी से बचा जा सके।

एसोसिएशन ने सरकार को बताया कि देश में अक्टूबर में 8 लाख टन शुगर का उत्पादन होगा और इसमें महाराष्ट्र की हिस्सेदारी 3.9 लाख टन होगी। इसके बाद उत्तर प्रदेश का नंबर होगा, जहां शुगर का उत्पादन अक्टूबर तक 2.9 लाख टन रहने का अनुमान है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन की तरफ से सरकार को पेश किए गए अनुमानों के मुताबिक, 1 जुलाई को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और गोवा में शुगर का उपलब्ध स्टॉक 14.88 लाख टन था। एसोसिएशन ने तमिलनाडु और दक्षिणी कर्नाटक के स्पेशल सीजन के दौरान 1.6 लाख टन शुगर के प्रॉडक्शन का अनुमान जताया है, जो इन क्षेत्रों के औसत उत्पादन से 3 लाख टन था। शुगर प्रॉडक्शन में कमी के अनुमान की वजह सूखा है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन की प्रेसिडेंट टी एस रेड्डी ने बताया, 'दक्षिण भारत ने 3 लाख टन कच्ची चीनी का इंपोर्ट किया था। लिहाजा 1 जुलाई के मुताबिक, दक्षिण भारत में स्पेशल सीजन और इंपोर्टेड कच्ची चीनी को मिलाकर शुगर की कुल उपलब्धता 19.48 लाख टन थी। इन राज्यों में हर महीने चीनी की खपत 4.47 लाख टन थी, लिहाजा, जुलाई, अगस्त और सितंबर में इन 6 राज्यों को 13.41 लाख टन की शुगर की जरूरत होगी।' इसके मुताबिक इंडस्ट्री बॉडी ने 6 दक्षिणी राज्यों में 1 अक्टूबर को शुगर की अनुमानित उपलब्धता 6 लाख टन थी।

कोशिश में केंद्र

- शुगर इंडस्ट्री और सरकार फेस्टिव सीजन के दौरान चीनी की कमी को दूर करने के लिए पेराई का काम एक महीना बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं
- रीजन के सांगली, सतारा और कोल्हापुर में मौजूद शुगर मिलों की महाराष्ट्र में चीनी के प्रॉडक्शन में बड़ी हिस्सेदारी है

महाराष्ट्र सरकार के सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र को पेराई का काम एडवांस करने का अनुरोध किया है। हालांकि, मंत्रियों की एक कमेटी की तरफ से फैसला लेने के बाद शुगर मिलों को अपना ऑपरेशन शुरू करने की इजाजत दी जाती है।